हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

हाँसी रोड़, भिवानी–127021

website : bseh.org.in e-mail : adew@bseh.org.in Ph : 01664-244171 to 244176, Extension.-384

क्रमांक : 6583 /शैक्षिक दिनांक : 10-8-2018

सेवा में,

प्राचार्य,
सभी जिला शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान (DIET),
हरियाणा प्रदेश।

विषय : डी.एल.एड. कोर्स प्रवेश वर्ष 2017–19 के द्वितीय वर्ष के छात्र–अध्यापकों का विद्यालय इण्टर्नशिप कार्यक्रम बारें।

उपर्युक्त विषयान्तर्गत लिखा जाता है कि डी.एल.एड. वार्षिक कैलेण्डर 2018–19 (साथ संलग्न) अनुसार प्रवेश वर्ष 2017–19 के छात्र–अध्यापकों का दिनांक 11.08.2018 से द्वितीय वर्ष प्रारम्भ किया जाना है। इन छात्र–अध्यापकों को निर्धारित पाठ्यक्रम (साथ संलग्न) अनुसार द्वितीय वर्ष के प्रारम्भ में दिनांक 20.08.2018 से दिनांक 06.10.2018 तक प्राथमिक विद्यालयों में 07 सप्ताह का विद्यालय इण्टर्नशिप कार्यक्रम पूर्ण करवाया जाना है।

छात्र–अध्यापकों को विद्यालय इण्टर्नशिप कार्यक्रम निम्न–अनुसार करवाया जाना है :

1. विद्यालय इण्टर्नशिप कार्यक्रम से पूर्व सभी डाईट प्राचार्य अपने डी.एल.एड. संस्थान में जिला मौलिक शिक्षा आधिकारियों व खण्ड मौलिक शिक्षा अधिकारियों की बैठक सुनिश्चित करेंगे व उन्हें विद्यालय इण्टर्नशिप कार्यक्रम के दौरान करवाई जाने वाली गतिविधियों के संबंध में अवगत करवाएंगे।
2. विद्यालय इण्टर्नशिप कार्यक्रम हेतु छात्र–अध्यापकों को विद्यालय का आबंटन संबंधित डाईट के माध्यम से उनके अधीन आने वाले डी.एल.एड. संस्थानों से जिले के राजकीय व हरियाणा सरकार से मान्यता प्राप्त प्राथमिक विद्यालयों, जिसमें अधिक से अधिक राजकीय व कम से कम हरियाणा सरकार से मान्यता प्राप्त प्राथमिक विद्यालयों के विकल्प प्राप्त करते हुए छात्र–अध्यापक के डी.एल.एड. संस्थान के जिले में नजदीकी विद्यालय में आबंटन किए जाने हैं
3. डाईट द्वारा छात्र–अध्यापकों को विद्यालय आबंटन से पूर्व MIS पॉर्टल अथवा अन्य स्त्रोत से प्राथमिक विद्यालयों में दाखिल छात्रों का आंकड़े प्राप्त करेंगे।
4. प्रत्येक कक्षा/अनुभाग (Section) में 02 छात्र–अध्यापकों को विद्यालय इण्टर्नशिप कार्यक्रम हेतु भेजे जाने है।
5. विद्यालय इण्टर्नशिप कार्यक्रम में छात्र–अध्यापकों की न्यूनतम 90% उपस्थिति अनिवार्य है।
6. विद्यालय इण्टर्नशिप कार्यक्रम पूर्ण होने उपरान्त प्राथमिक विद्यालय Mentor द्वारा साथ संलग्न निर्धारित प्रपत्र भरते प्रपत्र की 2–2 प्रतियां छात्र–अध्यापक के संबंधित डी.एल.एड. संस्थान में भेजी जानी आवश्यक है तथा संबंधित डी.एल.एड. संस्थान द्वारा सभी छात्र–अध्यापकों के प्रपत्र की एक प्रति 10 दिन के अन्दर–अन्दर हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी को भेजी जानी अति आवश्यक है व एक प्रति संस्थान द्वारा 02 वर्षों तक अपने पास सुरक्षित रखी जानी है।
7. सभी डाईट प्राचार्य छात्र–अध्यापकों को विद्यालय आबंटन उपरान्त 05 दिन के अन्दर–अन्दर निर्धारित साथ संलग्न **MS Excel** फार्मेट में छात्र–अध्यापकों की सूची हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी को E-mail dedinternship@gmail.com पर अवश्य भेजना सुनिश्चत करेंगे।

अतः आपसे अनुरोध है कि उक्त अनुसार विद्यालय इण्टर्नशिप कार्यक्रम के संबंध में आगामी कार्रवाई करने का कष्ट करें।

Rajesh Kr 10/8/18

सहायक निदेशक (शैक्षिक)
कृते : सचिव

संलग्न : यथोपरि।

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

हाँसी रोड़, भिवानी–127021

website : bseh.org.in e-mail : adew@bseh.org.in Ph : 01664-244171 to 244176, Extension.-384

क्रमांक : 6584 / शैक्षिक दिनांक : 10-8-2018

सेवा में,

प्राचार्य,
सभी डी.एल.एड. शिक्षण संस्थान,
हरियाणा प्रदेश।

विषय : डी.एल.एड. कोर्स प्रवेश वर्ष 2017–19 के द्वितीय वर्ष के छात्र–अध्यापकों का विद्यालय इण्टर्नशिप कार्यक्रम बारे।

उपर्युक्त विषयान्तर्गत लिखा जाता है कि डी.एल.एड. वार्षिक कैलेण्डर 2018–19 (साथ संलग्न) अनुसार प्रवेश वर्ष 2017–19 के छात्र–अध्यापकों का दिनांक 11.08.2018 से द्वितीय वर्ष प्रारम्भ किया जाना है। इन छात्र–अध्यापकों को निर्धारित पाठ्यक्रम (साथ संलग्न) अनुसार द्वितीय वर्ष के प्रारम्भ में दिनांक 20.08.2018 से दिनांक 06.10.2018 तक प्राथमिक विद्यालयों में 07 सप्ताह का विद्यालय इण्टर्नशिप कार्यक्रम पूर्ण करवाया जाना है।

गुणवत्ता के दृष्टिगत विद्यालय इण्टर्नशिप कार्यक्रम हेतु छात्र–अध्यापकों को विद्यालय का आबंटन संबंधित डाईट के माध्यम से उनके अधीन आने वाले डी.एल.एड. संस्थानों से जिले के राजकीय व हरियाणा सरकार से मान्यता प्राप्त प्राथमिक विद्यालयों, जिसमें अधिक से अधिक राजकीय व कम से कम हरियाणा सरकार से मान्यता प्राप्त प्राथमिक विद्यालयों के विकल्प प्राप्त करते हुए छात्र–अध्यापक के डी.एल.एड. संस्थान के जिले में नजदीकी विद्यालय में आबंटन किए जाने हैं। विद्यालय इण्टर्नशिप कार्यक्रम में छात्र–अध्यापकों की न्यूनतम 90% उपस्थिति अनिवार्य है। विद्यालय इण्टर्नशिप कार्यक्रम पूर्ण होने उपरान्त प्राथमिक विद्यालय Mentor द्वारा साथ संलग्न निर्धारित प्रपत्र भरते हुए प्रपत्र की 2–2 प्रतियां छात्र–अध्यापक के संबंधित डी.एल.एड. में भेजी जानी आवश्यक है तथा डी.एल.एड. संस्थानों द्वारा सभी छात्र–अध्यापकों के प्रपत्र की एक–एक प्रति 10 दिन के अन्दर–अन्दर हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी को भेजी अति आवश्यक है व एक प्रति संस्थान द्वारा 02 वर्षों तक अपने पास सुरक्षित रखी जानी अनिवार्य है।

अतः आप अपने संस्थान के छात्र–अध्यापकों का डाईट के माध्यम से विद्यालय आबंटन करवाते हुए छात्र–अध्यापकों को विद्यालय इण्टर्नशिप कार्यक्रम हेतु भेजने का कष्ट करें।

Rajesh Sh 10/8/18

सहायक निदेशक (शैक्षिक)
कृते : सचिव

संलग्न : यथोपरि।

Board of School Education Haryana, Bhiwani

D.El.Ed. Session 2017-19 (2nd Year)

School Internship programme (SIP-II)

Format for Information of Student-Teacher to be deputed in various Govt./Recognised by State Govt. for School Internship Programme

(To be submitted Board of School Education Haryana, Bhiwani in soft copy "Excel" format through E-mail dedinternship@gmail.com)

Sr. No.	College Name	College District	Roll No. of Student-Teacher 1st Year issued by Board	Registration no. of Student-Teacher (Alloted by SCERT)	Name of Student-Teacher	Name of Primary allotted School	Block Name	District Name

Board of School Education Haryana, Bhiwani

D.El.Ed. 2nd Year

(For Internal Evaluation of School Internship Programme)
(Proforma-1 for Primary School Mentor's Evaluation)

(Particulars of Student-Teacher)

Roll No. .....

1. D.El.Ed. Admission Year : .....
2. Name of D.El.Ed. Institution : .....
3. Registration No. Allotted by SCERT .....
4. Name of Student Teacher : .....
5. Father's Name : .....
6. Date of Birth : .....
7. Name of School Allotted : .....
8. Duration of SIP II (Phase-I) : Block : ..... District :.....
   From .....To .....

(To be filled by Primary School Mentor)

Sr. No.	Topics			Total Marks	Marks Obtained
1	Teaching competency of primary classes			10	
2	Lesson plan	Subject	Period/Lessons Plans	10	
		English	15		
		Hindi/Urdu	15		
		EVS(Science/ Social Science)	15		
		Mathematics	15		
3	Peer observation record/Teacher Observation Record All above mentioned in each Subject 04 Lessons			05	
4	Teacher observation record All above mentioned in each Subject 04 Lessons			05	
5	Diagnostic test/Remedial Teaching/Teaching Learning Material			05	
6	Portfolio preparation/preparing cumulative/anecdotal record of student			05	
TOTAL MARKS				**40**	

Signature of Mentor

Name : .....
Designation : .....

(School Stamp)

सामान्य दिशा–निर्देश

1. **Mentor – The teacher from school where student-teachers is doing School Exposure Programme.**

2. विद्यालय इण्टर्नशिप कार्यक्रम कुल 16 सप्ताह का है, जिसमें 07 सप्ताह का विद्यालय इण्टर्नशिप कार्यक्रम डी.एल.एड. द्वितीय वर्ष के प्रारम्भ में प्राथमिक विद्यालयों में तथा 07 सप्ताह का विद्यालय इण्टर्नशिप कार्यक्रम द्वितीय वर्ष की परीक्षा से पहले उच्च प्राथमिक विद्यालयों एवं 02 सप्ताह के लिए छात्र–अध्यापकों द्वारा Community Survey किया जाना है। इसमें अवकाश के दिवसों को भी शामिल किया जाना है।

3. छात्र–अध्यापकों की विद्यालय इण्टर्नशिप कार्यक्रम में न्यूनतम 90% उपस्थिति अनिवार्य है।

4. मुख्य शिक्षक द्वारा अपने विद्यालय स्टाफ में से छात्र–अध्यापक द्वारा किए जाने वाले कार्यों की पर्यवेक्षण हेतु Mentor जिस द्वारा छात्र–अध्यापक का मूल्यांकन किया जाना है, की नियुक्ति की जानी है।

5. छात्र–अध्यापक का मूल्यांकन उसके द्वारा किए गए कार्यों व किए गए कार्यों के प्रलेख/दस्तावेज के आधार पर किया जाना है तथा प्रलेख/दस्तावेज छात्र–अध्यापक के संबंधित डी.एल.एड. संस्थान को भेजे जाने अनिवार्य है।

6. छात्र–अध्यापक द्वारा किए गए कार्यों से सम्बन्धित सभी प्रलेख/दस्तावेज सम्बन्धित डी.एल.एड. संस्थान द्वारा 06 मास तक सुरक्षित रखे जाने अनिवार्य है, जिन्हें हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी द्वारा आवश्यकतानुसार मांगे जा सकते है।

7. विद्यालय इण्टर्नशिप कार्यक्रम पूर्ण होने उपरान्त प्राथमिक विद्यालय Mentor द्वारा प्रपत्र भरते हुए प्रपत्र की 2–2 प्रतियां छात्र–अध्यापक के संबंधित डी.एल.एड. संस्थान में भेजी जानी आवश्यक है तथा संबंधित डी.एल.एड. संस्थान द्वारा सभी छात्र–अध्यापकों के प्रपत्र की एक प्रति 10 दिन के अन्दर–अन्दर हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी को भेजी जानी अति आवश्यक है व एक प्रति संस्थान द्वारा 02 वर्षों तक अपने पास सुरक्षित रखी जानी अनिवार्य है।

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी

डी.एल.एड. वार्षिक कैलेण्डर 2018–19

क्रमांक : 6582/शैक्षिक

दिनांक : 10-8-2018

डी.एल.एड. प्रवेश वर्ष 2018–20 के प्रथम वर्ष एवं प्रवेश वर्ष 2017–19 के द्वितीय वर्ष हेतु डी.एल.एड. वार्षिक कैलेण्डर 2018–19 निम्न अनुसार है :

1.	प्रथम वर्ष (प्रवेश वर्ष 2018–2020) द्वितीय वर्ष (प्रवेश वर्ष 2017–2019)	*11.08.2018 से 25.07.2019 11.08.2018 से 25.07.2019
2.	**Excursion**	***One week in month of November-2018**
3.	**Sports Meet**	***One week in month of February-2019**
4	विद्यालय इण्टर्नशिप कार्यक्रम प्रथम वर्ष (प्रवेश वर्ष 2018–2020)	*04 weeks (08.04.2019 से 04.05.2019)
	द्वितीय वर्ष (प्रवेश वर्ष 2017–2019)	07 weeks (Phase I) (20.08.2018 से 06.10.2018) 07 weeks (Phase II A) (08.04.2019 से 25.05.2019) 02 weeks (Phase II B) (27.05.2019 से 08.06.2019)
5	परीक्षाएं : *प्रथम वर्ष (प्रवेश वर्ष 2018–2020) व द्वितीय वर्ष (प्रवेश वर्ष 2017–2019) प्रायोगिक : लिखित :	 01.07.2019 से 08.07.2019 09.07.2019 से 29.07.2019
6.	वर्ष अन्तराल	30.07.2019 से 10.08.2019

*एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुरूग्राम के डी.एल.एड. प्रवेश वर्ष 2018–20 प्रथम वर्ष के दाखिला अनुसार तिथियों में संशोधन बाद में किया जाएगा।

कृपया सभी संबंधित डी.एल.एड. संस्थानों को सूचनार्थ प्रेषित है।

Rajesh Jn 10/8/18

सहायक निदेशक (शैक्षिक)

कृते : सचिव

C-7

Course SIP II- School Internship Programme

Maximum Marks: 400
(Internal : 200 + External : 200)
Duration: 16 weeks

Rationale and Aim:

Teacher education programme leading to Diploma in Elementary Education (D.El.Ed.) aims at preparing teachers for elementary stage of education, that is, classes' I-VIII. Right of Children to Free and Compulsory Education enacted vide Central RTE Act., 2009, highlighted the need and importance of having well qualified and professionally trained teachers to facilitate realisation of the proposed goals. D.El.Ed. is a teacher preparation programme at elementary level, span over two years of teacher training, potential enough to realise the goals, if properly conceived and designed on sound professional imperatives.

NCTE Regulations, 2014 mandate Internship for every student-teacher opting his career in teaching profession. School Internship is widely regarded as the single most important component of any teacher education programme that provides for student-teachers a platform to integrate the theory learnt with real classroom situation. Being a full time work in a school, , it seeks to equip student-teachers with meaningful and gainful intensive school experiences in planning, teaching and the totality of its activities such as preparing instructional support materials, maintenance of school register and records and performing all those duties that a regular teacher is expected to do. Field experiences intend to expand competencies and skills essential for a teacher to serve as a facilitator of learning. During internship student-teachers interact with teachers, students, administrators and the community including parents and try to understand issues and problems which help their development as a facilitator teacher. They are also exposed to multicultural context of society, which has a strong influence on school environment and its functioning, besides practice teaching in real classroom situations, as also ample opportunities to participate and organize various programmes which in turn help develop traits like positive attitude, interest, abilities and appreciation essential for being a teacher.

Two year D.El.Ed programme is expected to provide adequate opportunities for student-teachers to engage with various stakeholders like children, parents,

community, school and school management on a partnership model. Teaching Practice and Internship not only provide first hand experiences to student-teachers in classroom teaching and whole school life in general, but also to link theoretical knowledge with its practical accomplishment.

Student-teachers are expected to critically reflect and discuss various practices and engage in activities like maintenance of records and registers, preparation of lessons and unit plans, classroom management, school-community-parent interface, and self-development vis-a-vis professionalization of teaching practice, presented in Portfolios and Reflective Journals, as record their experiences, observations and outcomes of all the activities undertaken, spread over two years in different phases: the first year to focus on introducing student-teachers to different types of schools, their environment, understanding children, developing and reflecting on teaching learning materials; and the second year on student-teachers participation as regular teachers, experimenting innovative methodologies, reflecting on their own teaching, and self-assessing their functioning various activities of school.

Specific objectives:

The School Internship Programme aims to introduce the student-teachers with real school environment. In order to meet the specific requirement of course a School Exposure Programme of 16 week duration is introduces during 2nd year of D.El.Ed. Course with following objectives:-

- Develop an understanding for applying different methods of teaching for effective learning.
- Develop skills to conduct different activities and programmes other than teaching, such as literary, cultural, educational, excursion and sports etc.
- Develop abilities to communicate effectively with students, peer groups, teachers, community members, school management and Block/District Administration etc.
- Identify skills and develop creativity among students through organising relevant activities to nurture it.
- Organize joyful activities to encourage students to construct their own knowledge.
- Organize inclusive classroom practices in various ways.

- Develop an understanding and skills to evaluate the children's performance.
- Develop plan and conduct classroom-based Action Research.
- Critically reflect on school experience programme and maintain record thereof.

Process of *School Internship Programme (blend of practice teaching and community work)* :

Every student-teacher shall have to undergo an internship of 16 weeks in identified schools in two phases at primary and upper primary level. During this period student-teacher shall be attached to a school to undertake all tasks and duties as are assigned to a regular teacher in all school-related activities such as: teaching in the school, taking requisite number of lessons in the methods opted under supervision of mentor teacher and respective teacher educator(s) from TEI, to gain in fine holistic experience of school and the teacher's role. This Internship Programme is divided in to 02 phases, as mentioned below:

Year	Duration And Phases	schedule	Level of Practice	Remarks
(SIP-II) 2nd Year	7 weeks (Phase I)	At start of 2nd Year	Primary	In Govt. schools
	7 weeks (phase II A)	Before the Board exam of 2nd Year	Upper Primary	In Govt. schools
	2 weeks (Phase IIB)	After Phase II A	Elementary (Primary + Upper Primary)	In community adjourning to practice school (Near by)

Phase – I: Primary Classes

The 1st phase of School Internship Programme consists of 7 weeks duration in which the pupil-teachers have to perform duties as regular teacher in primary classes for specific period per day. Apart from it he/she is supposed to carry out other activities such as peer observation, students evaluation etc. The schedule of activities during Phase – I is given below

C-4

Sr. No.	Subject	Period / Lesson Plans	Peer Observation	Practicing Regular Teacher's Lesson Observation
1.	English	15	4	4
2.	Hindi / Urdu	15	4	4
3.	EVS	15	4	4
4.	Mathematics	15	4	4

Phase – II A: Elementary (Upper Primary Classes)

The 2nd phase of School Internship Programme consists of 9 weeks duration in which the pupil-teachers have to perform duties as regular teacher in upper primary classes for specific period per day for 07 weeks and have to do community survey for 02 weeks. Apart from it he is supposed carry out other activities such as peer observation, student's evaluation, carry out action research etc. The schedule of activities during Phase – II A is given below:

Sr. No.	Subject	Period / Lessons Plans	Peer Observation	Practicing Regular Teacher's Lesson Observation
1.	Subject - 1	17	4	4
2.	Subject - 2	17	4	4
3.	Subject - 3	17	4	4

The major activities to be conducted during both the phases can be broadly classified into three categories, as below:

1. Teaching

- Student teachers are expected to prepare lesson plans in four subjects and deliver at least 60 lessons (15 in each subject) in Primary classes
- Student teachers are expected to prepare lesson plans in three subjects (optional subjects in curriculum) and deliver at least 51 lessons (at least 17 in each subject) in Upper Primary classes
- Every student teacher is expected to take 3 hours per day in primary and 3 periods per day in upper primary classes
- Integrate student assessment activities with teaching learning process
- Develop learning resources
- Observe peer teaching: 4 lessons in each subject
- Observe teachers' lessons: 4 lessons in each subject

- Conduct 2 Unit tests in each method: diagnostic test, followed by remedial instruction
- Conduct action research, case study, portfolio preparation and preparing cumulative / anecdotal record of student etc.

2. Action Research

The students-teachers are expected to conduct an Action Research based on actual problem identified by him/her during class room teaching during Phase-I or Phase-II of internship. The following steps may be taken up for undertaking action research:

- Identify a problem
- Prepare a proposal
- Prepare appropriate tools
- Implement the plan
- Do Data collection and encoding for analysis
- Analyse of data, interpret and write report

3. Community Survey

Community related activities – Visit homes of a few children; interact with members of community to understand their needs; Communicate with community members about school practices/processes; participate in community activities, Plan & utilize community resources for school. (Group Activity)

Evaluation of Student-Teachers

Weightage to be assigned for documents submitted by student teachers.

Weightage to different activities

Component	Minimum Number	Percentage of Marks
Teaching Competency	111 (Minimum)	30%
Record of Lesson Plan	111 (Minimum)	15%
Peer Observation record (during internship)	One for Primary another for Upper Primary	10%
Observation record of the Teachers' lessons	One for Primary another for Upper Primary	10%

Student Profile (Case Study)	One Report	5%
Action Research	One Report	5%
Report of Community Survey	1	5%
Assessment Records	6 (one for each subject)	5%
Teaching Learning Materials	1 Portfolio	5%
Reflective Journal	One for Primary another for Upper Primary	5%
Presentation		5%

Weightage for evaluators

Assessment Pattern		
Internal		External***
TEI Faculty*	Mentor** (Internship School Teacher)	
25%	25%	50%

* **TEI Faculty** – The Teacher Educator from Teacher Education Institute where student-teacher is enrolled.

** **Mentor** – The teacher from School where student-teachers is doing School Exposure Programme.

*** **External** – External Evaluation team is to be appointed by examining body.

Composition Team for External Evaluation

- The external evaluation team will consists of five external examiners from TEI, excluding concerned TEI where student-teacher is enrolled, to be appointed by HBSE.

Process of Internal Evaluation

TEI Faculty—100 Marks

It includes

- action research,
- community survey
- Reflective Journal
- Case study
- Lesson plans

C-1

Mentor:
Primary school mentor – 40 Marks

- Teaching competency of primary classes
- Lesson plan
- Teaching learning material
- Peer observation record
- Teacher observation record
- intern

Upper Primary school mentor – 60Marks

- Teaching competency of upper primary classes
- Lesson plan
- Teaching learning material
- Peer observation record
- Teacher observation record

Process of external evaluation: **External Examiners (200 Marks)**

External evaluation will be carried out as per following scheme:

1. Primary (SIP – II A)
   - Hindi/Urdu
   - English
   - Mathematics
   - EVS (Science/Social science)

   (Each having 20 Marks)

2. Upper Primary (SIP – II B)
   - Hindi/Urdu
   - Optional - I
   - Optional - II

   (Each having 40 Marks)